दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

हमारे आंदोलन को आगज़नी या पथराव से बदनाम करने की कोशिश हो सकती है : मनोज जरांगे का शक

मुंबई : संवाददाता

राज्य सरकार की परेशानी में इज़ाफा करने वाली खबर सामने आई है। मराठों का कहना है कि २९ अगस्त को मुंबई में बड़ा मार्च निकाला जाएगा। इस ऐलान के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ गई है।

इस संदर्भ में मनोज जरांजे ने कहा कि, हमने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि सरकार संकट में है। इसीलिए वे लगातार झूठ और अफवाहों का सहारा ले रहे हैं। हमारी ताक़त बड़ी है, इसलिए हमें डराने की कोशिश हो रही है।

उन्होंने आगे कहा कि, बाबा साहेब अंबेडकर ने कहा था कि, इंसाफ़ के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिए। हमारी ताक़त बड़ी है और इसी कारण आंदोलन को तोड़ने और हमें बदनाम करने की कोशिश हो सकती है। आंदोलन के दौरान आगज़नी या पथराव जैसी घटनाओं का आरोप लगाकर हमारी छवि खराब करने की कोशिश होगी।

जरांजे ने समर्थकों से अपील की है कि, हमें बच्चों को आर्थिक नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए। हमें दूसरों की चीज़ें बर्बाद नहीं करनी चाहिए। हमें अपनी चीज़ें ही बचानी चाहिए।

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-५ वा | मंगळवार २६ ऑगस्त २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

लक्ष्मण हाके और विधायक पंडित के समर्थकों में जबरदस्त हंगामा

पुलिसने किया हस्तक्षेप; हाके को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया

काजी अमान/गेवराई

ओबीसी नेता लक्ष्मण हाके ने रविवार को गेवराई विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजयसिंह पंडित के खिलाफ अपशब्दों का उपयोग किया था। हाके ने सवाल उठाया कि क्या मराठा संघर्ष योद्धा मनोज जरांगे पाटील के बैनर गेवराई शहर और आसपास के क्षेत्र में लगाने की जरूरत थी? क्या ओबीसी समाज ने पंडित को वोट नहीं दिया? इन टिप्पणियों और अपशब्दों से गेवराई शहर में विधायक पंडित के समर्थक भड़क गए।

सोमवार, २५ अगस्त २०२५ को दोपहर में पंडित समर्थकों ने शहर के छत्रपती शिवाजी महाराज चौक में हाके के प्रतीकात्मक पुतले का दहन किया। इसके बाद, विधायक पंडित के समर्थक गजानन काले ने एक यूट्यूब चैनल को दिए बयान में हाके को चुनौती दी कि, गेवराई में आकर दिखा, तुझे डंडे दिखाऊंगा। इस चुनौती को ओबीसी नेता लक्ष्मण हाके ने स्वीकार किया और सोमवार शाम करीब ५ बजे अपने समर्थकों के साथ छत्रपती शिवाजी महाराज चौक में चाय पीने पहुंचे।

इस बीच, गेवराई पुलिस को आशंका थी कि हाके और गजानन काले के समर्थकों के आमने-सामने आने से कोई बड़ा हंगामा हो सकता है। इसलिए, पुलिस ने गजानन काले को हिरासत में ले लिया। यह खबर फैलते ही विधायक विजयसिंह पंडित के समर्थकों ने पुलिस स्टेशन पर धरना शुरू कर दिया। उसी समय, शाम ५:१५ बजे जब लक्ष्मण हाके शास्त्री चौक पहुंचे, तो पंडित के समर्थकों ने उनके खिलाफ जोर-शोर से नारेबाजी शुरू कर दी। हाके और पंडित के कार्यकर्ता एक-दूसरे के खिलाफ उसी उत्साह के साथ नारे लगा रहे थे।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को तितर-बितर करने की कोशिश की। इस दौरान, गुस्साए कार्यकर्ताओं ने हाके की गाड़ी पर चप्पलों की बौछार कर दी। स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए गेवराई पुलिस ने लक्ष्मण हाके को सुरक्षा के साथ बीड रोड की ओर ले जाकर छोड़ दिया।

इस बीच, विजयसिंह पंडित के समर्थकों ने हाके और उनके सहयोगियों पर कार्रवाई की मांग की। विशेष बात यह रही कि इस घटना में पंडित के समर्थकों में धनगर समाज के कई कार्यकर्ता भी शामिल थे। इस घटना से गेवराई शहर में तनाव का माहौल बन गया था। हालांकि, वर्तमान में शहर में शांति बनी हुई है।

मुंबई भाजपा के अध्यक्ष बने अमित साटम

मुंबई : जमीर काजी

आगामी मुंबई महानगरपालिका चुनावों की पृष्ठभूमि पर भाजपा ने संगठन में बड़ा बदलाव किया है। आक्रामक वक्तृत्व शैली के लिए मशहूर अमित साटम को मुंबई भाजपा अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुंबई भाजपा मुख्यालय में सोमवार को प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में उनके नाम की घोषणा की। इस मौके पर राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे, पूर्व अध्यक्ष एवं मंत्री आशिष शेलार, मंगलप्रभात लोढ़ा, प्रविण दरेकर सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

कई वर्षों से मुंबई भाजपा अध्यक्ष का पद संभाल रहे आशिष शेलार के मंत्रीमंडल में शामिल होने के बाद उनके उत्तराधिकारी की तलाश जारी थी। इस पद के लिए अमित साटम के साथ प्रविण दरेकर और योगेश सागर भी इच्छुक थे। आज पार्टी कार्यालय में मुख्यमंत्री फडणवीस, प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और अन्य प्रमुख नेताओं की बैठक हुई। उसके बाद चव्हाण ने बताया कि राज्य के नेताओं के एकमत निर्णय और पार्टी नेतृत्व की सहमति से अमित साटम का चयन किया गया है।

कौन हैं अमित साटम?

अमित साटम कई वर्षों से भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं। २०१४ से अब तक वे लगातार तीन बार अंधेरी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए हैं। इससे पहले उन्होंने मुंबई महानगरपालिका में नगरसेवक के रूप में कार्य किया है।

मुंबई महानगरपालिका में महायुति की सत्ता आएगी : फडणवीस

अमित साटम की नियुक्ति के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आशिष शेलार और उससे पहले मंगलप्रभात लोढ़ा ने मुंबई का कार्यभार बखूबी संभाला। अब यह जिम्मेदारी अमित साटम पर आई है। उनकी छवि अध्ययनशील और आक्रामक नेता की है। मुंबई की राजनीति की गहरी समझ और कल्पकता उनमें है। आने वाले समय में उनके नेतृत्व में भाजपा मुंबई में मजबूती से आगे बढ़ेगी, ऐसा विश्वास भी फडणवीस ने व्यक्त किया।

राहुल गांधी एक सिलसिलेवार झूठे: मुख्यमंत्री की आलोचना

जमीर काझी

मुंबई: राहुल गांधी एक सिलसिलेवार झूठे हैं। वे लगातार झूठ बोलते रहते हैं। लेकिन झूठ का कोई आधार नहीं होता, यह ज्यादा समय तक टिकता नहीं। सोमवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यह हमला बोला।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में मुंबई के अध्यक्ष के रूप में अमित साटम की नियुक्ति की घोषणा की गई। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुई वोट चोरी के बारे में राहुल गांधी के आरोपों और उनके समर्थन में उतरे उद्धव व राज ठाकरे जैसे भाइयों और राज्य के अन्य नेताओं पर निशाना साधा।

वे बोले, राहुल गांधी झूठ बोल रहे हैं। सबसे दुखद बात यह है कि हमारे महाराष्ट्र के नेता भी सपने देख रहे हैं कि राहुल गांधी सच बोल रहे हैं। इसलिए अब उनके झूठ उनके ही झूठ में फंस जाते हैं। लेकिन हमें यह समझना होगा कि झूठ का कोई आधार नहीं होता। झूठ का किला ढह जाता है। जब तक इन लोगों को यह नहीं समझ में आता कि लोगों के बीच जाकर उनका विश्वास जीतना है और उनकी वोट हासिल करनी है, तब तक ये लोग खुद को मूर्ख बनाते रहेंगे। और जहाँ तक झूठ बोलने का सवाल है, इससे इन लोगों को कोई फायदा नहीं होने वाला। उन्होंने आगे कहा, 'दिल बहलाने के लिए खयाल अच्छा है गालिब' वाली शायरी की तरह, वे केवल खुद को तसल्ली दे रहे हैं और अपने कार्यकर्ताओं को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे वाकई जीत रहे हैं। अपने कार्यकर्ताओं को बिखरने से बचाने के लिए वे अपनी हार के लिए साजिश की बात कर रहे हैं। लेकिन मैं उन्हें केवल इतना कहना चाहता हूँ कि जब तक वे अपनी हार का आत्ममंथन नहीं करेंगे, तब तक वे कभी नहीं जीतेंगे। इसी के साथ उन्होंने यह तंज भी कसा।

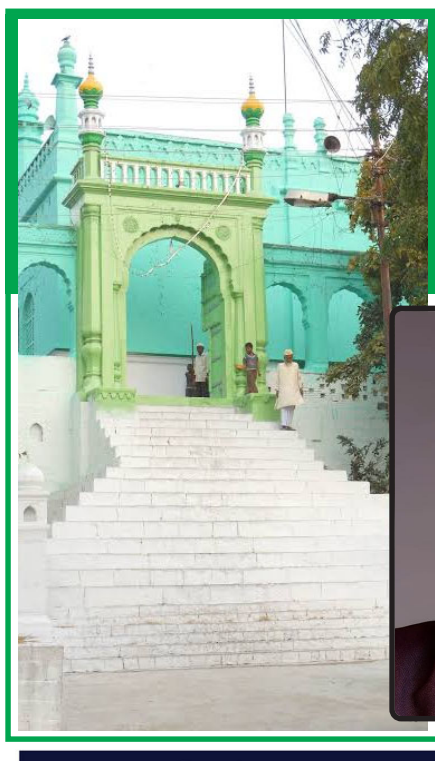

हज़रत शहंशाहवली रहमतुल्लाह अलैह दरगाह के संदल कार्यक्रम में शामिल हों-शाहबाज़ क़ादरी

बीड़ (प्रतिनिधि):

हज़रत शहंशाहवली रहमतुल्लाह अलैह दरगाह का संदल कार्यक्रम दिनांक २६ अगस्त २०२५, मंगलवार को आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में अकीदतमंदों से शामिल होने की अपील शाहबाज़े लमकानी क़ादरी फ़ाउंडेशन के ऑल महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष शेख शाहबाज़ क़ादरी ने की है।

कार्यक्रम का समय-निर्धारण :

२६ अगस्त २०२५ (मंगलवार) – शाम ५:०० बजे नमाज़-ए-असर के बाद क़िला मैदान से संदल रवाना होगा।

रात १०:०० बजे संदल दरगाह पर पहुँचेगा और संदल चढ़ाया जाएगा।

२७ अगस्त २०२५ (बुधवार) – सुबह नमाज़-ए-फ़ज्र के बाद महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।

सांसद सोनवणे के हाथों आज 'मांजरा' में जलपूजन

केज/प्रतिनिधि :

केज, अंबाजोगाई, धारूर, लातूर, कळंब शहरों के साथ-साथ ६१ गाँवों की प्यास बुझाने वाला और मांजरा पट्टे के पाँच तालुकों की हज़ारों हेक्टेयर ज़मीन को सिंचनाखाली लाने वाला केज तालुका स्थित धनेगांव का मांजरा बांध १००% भर चुका है। आज सुबह १० बजे सांसद बजरंग सोनवणे के हाथों बांध के पानी का जलपूजन किया जाएगा।

लातूर शहर, लातूर औद्योगिक क्षेत्र, केज, अंबाजोगाई, धारूर और कळंब शहर सहित कुल ६१ गाँव मांजरा बांध के जलस्रोत पर निर्भर हैं। मांजरा बांध पीने के पानी के साथ-साथ खेती के लिए भी महत्वपूर्ण है। बांध की बाईं और दाईं नहरों के ज़रिये बीड़, उस्मानाबाद और लातूर जिलों के ७३ गाँवों की १८,२२३ हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचनाखाली आती है।

बायीं नहर ९० किमी लंबी है, जिससे १०,५५९ हेक्टेयर खेती सिंचित होती है।

दायीं नहर ७८ किमी लंबी है, जिससे ७,६६५ हेक्टेयर खेती को पानी मिलता है।

खरीफ, रबी और गर्मी के मौसम में औसतन १८५ दलघमी पानी का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा केज और कळंब तालुकों के २७ गाँवों के किसानों को मांजरा बांध के बैकवॉटर से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ होता है। बांध के पानी पर २१ गैर-सिंचन योजनाएँ और १६ पेयजल योजनाएँ भी कार्यरत हैं। नागरिकों की प्यास बुझाने के लिए औसतन ६१.९३ दलघमी पानी आरक्षित रखा गया है।

सिंचन और औद्योगिक दृष्टि से मांजरा बांध का महत्व अत्यधिक है। कुछ दिन पहले बांध पूरी तरह भरने के बाद छह दरवाज़े खोलकर पानी छोड़ा गया था। अब चार दरवाज़े बंद कर दिए गए हैं और दो दरवाज़ों से ४९.४८ क्यूसेक्स की गति से मांजरा नदी में पानी छोड़ा जा रहा है। मांजरा बांध की वजह से केज तालुका में बड़े पैमाने पर हरितक्रांति हुई है। आज सांसद बजरंग सोनवणे के हाथों जलपूजन आयोजित किया गया है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

मज़लगांव में इम्तियाज़ जलील नाम का उठा तूफ़ान

बीड नगराध्यक्ष पद की उम्मीदवारी पर शफ़ीक़ भाई के नाम पर इम्तियाज़ जलील ने लगाई मुहर

काज़ी अमान/बीड

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM²) की मज़लगांव में आयोजित जनसभा में पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद इम्तियाज़ जलील ने सामाजिक एकता और आम जनता के अधिकारों के लिए जोरदार आवाज़ उठाई।

सभा में उन्होंने स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के आगामी चुनावों के लिए पार्टी की सुनियोजित रणनीति और भ्रष्ट व्यवस्था को उखाड़ फेंकने के संकल्प की घोषणा की। इसी मंच से बीड शहर के नगराध्यक्ष पद की उम्मीदवारी के लिए -खचखच् के युवा और तेज़तर्रार जिलाध्यक्ष एडवोकेट शेख शफ़ीक़ भाई के नाम पर मुहर लगाई।

इम्तियाज़ जलील ने कहा कि - खचखच् का मुख्य उद्देश्य आम जनता की सेवा करना और उनके बीच से सक्षम नेतृत्व तैयार करना है। हम आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव में ताक़त से उतरेंगे और भ्रष्ट व्यवस्था को चुनौती देंगे, ऐसा उन्होंने स्पष्ट किया।

सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने मुस्लिम समाज पर हो रहे अन्याय पर तीखा

प्रहार किया और जातिवादी ताक़तों के कारण फैले भय के माहौल पर नाराज़गी जताई। हाल ही में हुए सुलैमान पठान की हत्या का उल्लेख करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि अगर आरोपियों पर तुरंत कार्रवाई नहीं हुई तो कठोर कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने कहा, अगर सुलैमान पठान सामूहिक हत्याकांड के आरोपियों को तुरंत गिरफ़्तार नहीं किया गया, तो मुस्लिम समाज और -खचखच् एकजुट होकर मुंबई की ओर शांतिपूर्ण मोर्चा निकालेगा।

जातिवादी राजनीति पर हमला बोलते हुए जलील ने भाजपा जैसे दलों को सत्ता से दूर रखने की ज़रूरत बताई। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में गाय और गोरक्षा के नाम पर मुस्लिम समाज की अस्मिता पर हमला किया जा रहा है। संग्राम जगताप जैसे नेता मुस्लिम विरोधी बयान देते हैं, लेकिन गृहमंत्री पद संभालने वाले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस पर चुप्पी साधे रहते हैं।

उन्होंने सभी समाज घटकों से एकजुट होकर सामाजिक एकता के लिए आगे आने की अपील की।

सभा में बड़ी संख्या में नागरिक और कार्यकर्ता मौजूद थे। जलील के भाषण से लोगों में उत्साह का माहौल बना और - खचखच् की नयी राजनीतिक लड़ाई की शुरुआत होने का संकेत मिला।

फ़िरोज़ लाला का सटीक प्रहार

मुस्लिम समाज पर अन्याय होता है, लेकिन स्थानीय विधायक चुप रहते हैं; उन्हें सिर्फ वोट चाहिए, समस्याओं से कोई मतलब नहीं।

मजलगांव की सभा में फ़िरोज़ लाला ने स्थानीय विधायकों पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज पर हो रहे अन्याय के बावजूद विधायक आवाज़ नहीं उठाते, उन्हें सिर्फ वोट चाहिए, समाज की समस्याओं से उन्हें कोई सरोकार नहीं है।

ऐतिहासिक घोषणा - -खचखच् का पहला नगराध्यक्ष उम्मीदवार

सभा में इम्तियाज़ जलील ने ऐतिहासिक घोषणा करते हुए कहा - अगर आप सबका साथ मिला तो बीड का नगराध्यक्ष शफ़ीक़ भाई होंगे। यह ऐलान सुनकर उपस्थित जनसमुदाय में जोश भर गया।

मजलगांव में समीर साजिद बिल्डर का एल्गार AIMIM² संगठन को मज़बूत करने के लिए समीर साजिद बिल्डर महाराष्ट्रभर दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी का विचार वंचित वर्गों तक पहुँचाना है और इसके लिए वह ख़ुद राज्यभर में जाएंगे।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से गाँव-गाँव जाकर लोगों को पार्टी से जोड़ने की अपील की।

शफ़ीक़ भाई का राजनीतिक हमला

एडवोकेट शेख शफ़ीक़ भाई ने कांग्रेस, राष्ट्रवादी (शरद पवार गुट) और भाजपा-अजित पवार गुट पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा, कांग्रेस और राष्ट्रवादी मुस्लिम समाज का इस्तेमाल सिर्फ चुनावी वोटों के लिए करते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद समस्याएँ हल नहीं करते। - खचखच् ही असल मायनों में मुस्लिम समाज के विकास और अधिकारों के लिए लड़ रही है। भाजपा और अजित पवार गुट पर भी उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। इनका मक़सद सिर्फ सत्ता और समाज में फूट डालना है।

इस सभा को सफल बनाने के लिए मजलगांव -खचखच् के तालुका अध्यक्ष इद्रीस पाशा, जिल्हा उपाध्यक्ष शेख युसुफ़, सिद्दीक भाई, मौलाना फ़ारुख़, हाफ़िज़ फ़ारुख़, युनुस भाई, समीर भाई, गेवराई विधानसभा प्रभारी शेख युनुस भाई, युवा तालुका अध्यक्ष मौलाना नविद पटेल सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने विशेष प्रयास किए।

जिंतूर शहर में पुरानी रंजिश के चलते कुरैशी बिरादरी के दो गुटों में फ़्रिस्टाईल मारपीट सात गंभीर जखमी

जिंतूर (एम एजाज जिंतूरकर) शहर के साठे नगर परिसर में दि २४ ऑगस्ट २०२५ रात ९ बजें के बिच में कुरैशी बिरादरी के दो गुटों में शाब्दिक बाचाबाची के चलते अचानक ही वाद विवाद ने उग्र रूप धारण किया! और देखते ही देखते लाठीकाठी से और लोखंडी रॉड की मदत से फ़्रिस्टाईल मारपीट चालू हो गई! देखते ही देखते सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए! इन गंभीर जख्मीयो को जल्द ही उपचार के परभणी जिल्हा रुग्णालय में भेजा गया! गंभीर घायल व्यक्ति यो के नाम इस प्रकार है! इलाही तय्यब कुरैशी,(३२) अश्फाक मुसा कुरैशी (२५) बशीर करीम कुरैशी (४५) रतन आशाबी कुरैशी (४०)अनवर तैय्यब कुरैशी (३५)शेख

इसा करीम कुरैशी (५२) फेरोज मुसा कुरैशी (४२)ये सभी गंभीर घायलों को जिंतूर ग्रामीण रुग्णालय में प्राथमिक उपचार किया गया! किंतु ये सात गंभीर घायलों की प्रक्रिती अधिक गंभीर होने के कारण परभणी जिल्हा रुग्णालय में रेफर किया गया! इस घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण रुग्णालय परिसर में नागरिकों ने गर्दी की थी! रुग्णालय परिसर में बडता तणाव देख जिंतूर पोलीस तात्काल पोलीस बल लेकर रुग्णालय परिसर में दाखिल हुई! और कड़ा पोलीस बंदोबस्त खड़ा किया! जिस के कारण संभाव्य घटना टली बातमी लिखें जाने तक जिंतूर पोलीस स्टेशन में गुन्हा दर्ज नहीं हुआ था!

जिंतूर शहर में कुरैशी बिरादरी में शिक्षा की कमी के कारण गत दो वर्षों से लगातार रंजिशे बढ़ती जा रही है! जिस में एक युवक ने अपनी जान गंवाई है! कुरैशी बिरादरी में देखने को मिल रहा है! के कुरैशी समाज में दिनी और दुनिया वीं शिक्षा की बड़े पैमाने पर कमी दिखाई दे रही है! कुरैशी बिरादरी के बड़े ज़िम्मेदारों ने जिंतूर शहर में कुरैशी बिरादरी में बड रहें! इस खुनी संघर्ष को समाप्त करने के लिए और समाज को एकजुटता से रहेने के लिए! और दिनी और दुनिया वीं शिक्षा हासील करनें के लिए! आगे आकर कुरैशी बिरादरी में जागरूकता पैदा करें ऐसी मांग शहर के मुस्लिम समाज के उच्च शिक्षीत, बुद्धिजीवी नागरिक कर रहे हैं!

स्थानीय आपदा निकष रद्द, किसानों का शिमगा आंदोलन

बीड, २५ अगस्त। राज्य सरकार द्वारा फसल बीमा योजना से स्थानीय आपदा के निकष हटाने के निर्णय के विरोध में सोमवार को बीड ज़िलाधिकारी कार्यालय के बाहर शिमगा आंदोलन किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. गणेश ढवळे लिंबागणेशकर के नेतृत्व में किसानों ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और कृषि मंत्री को ज्ञापन सौंपा।

किसानों का कहना है कि पहले तत्काल राहत के लिए २५% अग्रिम मुआवज़ा पंचनामा के आधार पर दिया जाता था, लेकिन अब अतिवृष्टि और सूखा ट्रिगर हटाए जाने से यह सुविधा बंद हो गई है। केवल फसल कटाई प्रयोग (थ्रेशोल्ड यील्ड) को ही आधार मानने के कारण बीमा रकम मिलेगी या नहीं, इस पर भी शंका रह गई है।

ज़िलाधिकारी कार्यालय की रिपोर्ट के अनुसार हाल की अतिवृष्टि से २,७४५ हेक्टेयर क्षेत्र की फसल बर्बाद हुई है। इस वर्ष ज़िले के ११.७६ लाख किसानों ने बीमा कराया है, लेकिन नए बदलाव से लाखों किसानों को नुकसान होने की आशंका है।

आंदोलन में शेख यूनुस, बालासाहेब मोरे, रामनाथ खोड, शिवशर्मा शेलार, शेख मुबीन, सय्यद इरार, सरफ़राज़ आदि किसान नेता शामिल हुए।

मिल्लिया कनिष्ठ महाविद्यालयात काजी तौहीद समीर का गौरव

बीड - संवाददाता

मिल्लिया आर्ट्स अँड सायन्स कनिष्ठ महाविद्यालय, बीड में B.Tech, BITS Pilani, Dubai में प्रवेश लेकर संस्था का मान बढ़ाने वाले काजी तौहीद समीर का भव्य सत्कार समारोह बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता खान सबीहा बाजी (सचिव, अंजुमन इशाअत-ए-तालीम) ने की। प्रमुख अतिथियों में डॉ. शेख समीर (न्यूरोसर्जन), काजी समीर (अध्यक्ष, महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड एवं तौहीद के पिता), डॉ. सय्यद शाफी (कज़ऊ मिल्लिया कॉलेज), डॉ. इलियास फाजील (प्राचार्य, मिल्लिया सीनियर कॉलेज, बीड़), डॉ. इरफान सिद्दीकी (प्राचार्य, मिल्लिया गर्ल्स कनिष्ठ महाविद्यालय, बीड़), डॉ. फैजल चाऊस (प्राचार्य, मिल्लिया आर्ट्स अँड सायन्स कॉलेज, बीड़), मुजाहिद चाऊस (उप-प्राचार्य, मिल्लिया आर्ट्स अँड सायन्स कॉलेज, बीड़) सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र कुरआन की तिलावत से हुई। इसके बाद काजी तौहीद समीर को पुष्पगुच्छ और स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर तौहीद के पिता काजी समीर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्था का आभार माना। उन्होंने कहा कि, मेरे बेटे को सही समय पर उचित मार्गदर्शन मिला, इसी वजह से यह सफलता संभव हो सकी। बच्चों के विकास में संस्था का योगदान अमूल्य है। सही दिशादर्शन ही विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

अध्यक्ष खान सबीहा बाजी ने अपने संबोधन में कहा कि, तौहीद जैसे विद्यार्थियों ने संस्था और जिले का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उनकी सफलता में माता-पिता का आशीर्वाद और शिक्षकों का योगदान महत्वपूर्ण है।

डॉ. शेख समीर (न्यूरोसर्जन) ने विद्यार्थियों की जिद और लगन की सराहना करते हुए कहा कि, यह पीढ़ी वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा सिद्ध करके देश का नाम रोशन करेगी।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. चौधरी मोहम्मद मोहसिन ने प्रभावी शब्दों में किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बीड़ के आई हॉस्पिटल में महिला मरीज की मौत

डॉक्टर की लापरवाही, दोषियों पर कार्रवाई की मांग परिजनों की

बीड़ : बीड़ ज़िले के मांजसुंबा गांव की एक महिला इलाज के लिए बीड़ के आई हॉस्पिटल में आज सुबह लाई गई थी। लेकिन डॉक्टरों की लापरवाही के चलते महिला की दुखद मौत हो गई। केवल आई हॉस्पिटल की निष्क्रियता और डॉक्टरों की लापरवाही के कारण महिला की मृत्यु हुई है, ऐसी जानकारी परिजनों ने दी है। दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग परिजनों ने की है।

मृतका का नाम शकीला सय्यद (उम्र ४२) बताया गया है। शकीला सय्यद को आई हॉस्पिटल में इलाज के लिए लाया गया था। लेकिन डॉक्टरों की लापरवाही से महिला की मौत हो गई। खास बात यह है कि हॉस्पिटल में पर्याप्त सुविधा न होने की बात बताई जा रही है।

महिला की बिगड़ती हालत को डॉक्टर गंभीरता से नहीं ले पाए। आई हॉस्पिटल में लाने पर भी महिला को उचित इलाज नहीं मिल पाया। महिला की मौत होने के बाद परिजनों ने आई हॉस्पिटल प्रशासन और डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।

महिला की मौत पर परिजनों ने दोषियों पर मामला दर्ज करने और कार्रवाई की मांग की है। पुलिस जांच में जुटी हुई है और आई हॉस्पिटल परिसर में तनाव का माहौल बन गया है।

मंत्री संजय शिरसाट को दो दिन में इस्तीफा देना चाहिए: रोहित पवार की मुख्यमंत्री से मांग, सिडको जमीन घोटाले के मामले में दी बैग भरकर सबूत

जमीर काझी

मुंबई: महायुति सरकार में विवादास्पद और हमेशा चर्चा में रहने वाले सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट की मुश्किलें और बढ़ने की संभावना है। सिडको के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने ५ हजार करोड़ रुपये के भूखंड घोटाले का आरोप राष्ट्रवादी कांग्रेस शरद पवार पक्ष के महासचिव और विधायक रोहित पवार ने लगाया था। इसके संबंध में उन्होंने लगभग १२ हजार पन्नों के सबूत पेश करते हुए एक बैग और पेनड्राइव के साथ सोमवार को पत्रकार परिषद में सबूत पेश किए। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इसकी जांच कर दो दिन में शिरसाट का इस्तीफा लेने की मांग की, अन्यथा गणेशोत्सव के बाद इसके खिलाफ तीव्र आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी।

रोहित पवार ने कुछ दिन पहले आरोप लगाया था कि मंत्री शिरसाट ने नवी मुंबई में बिवलकर परिवार को अवैध रूप से जमीन देकर हजारों करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया। उस समय मुख्यमंत्री फडणवीस ने इसके सबूत मांगे थे। इसके बाद पवार ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकार परिषद आयोजित कर बैग भरकर सबूत पेश किए और मुख्यमंत्री से इस मामले का संज्ञान लेने की अपील की। इस दौरान उन्होंने बिवलकर परिवार का १९९३ का आवेदन, सिडको द्वारा पहले खारिज किए गए चार आवेदन, विधि व न्याय विभाग की रिपोर्ट, नगर विकास विभाग का १ मार्च २०२४ को सिडको को दिया गया पत्र, सिडको का प्रस्ताव और सिडको का सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामा मीडिया के सामने दिखाया।

उन्होंने कहा कि बिवलकर परिवार का १२.५% के लिए आवेदन २८ जुलाई १९९३ को आया था। इस आवेदन में उन्होंने कहा था कि अगर वे गलत साबित हुए, तो वे पूरी जमीन सिडको को लौटा देंगे। तकनीकी रूप से देखा जाए तो बिवलकर परिवार गलत ही साबित हुआ है। इसलिए सिडको ने उनका आवेदन १८ अप्रैल १९९४ को पहली बार खारिज किया था। इसके बाद १९९५ और २०१० में भी पहले के कारणों का हवाला देकर आवेदन खारिज किया गया था। विधि व न्याय विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, सिडको के एमडी विजय सेहगल ने कहा था कि हमने बिवलकर को अनुमति दी थी। लेकिन उन्होंने गलत कहा, क्योंकि इस विभाग की रिपोर्ट के बाद सिडको ने नकारात्मक रुख अपनाते हुए उस रिपोर्ट को गलत बताया। रोहित पवार ने कहा कि मंत्री शिरसाट ने सिडको के अध्यक्ष रहते हुए हजारों करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया। इस बारे में सबूत पेश करने पर एकनाथ शिंदे ने टिप्पणी की थी कि महादेव उन्हें बुद्धि दे। मैं उन्हें कहना चाहता हूँ कि महादेव ने हमें बुद्धि दी है। उसी का उपयोग कर हमने भ्रष्टाचार को उजागर किया है। अगर ५ हजार करोड़ रुपये की फाइल आसानी से घूम रही है, तो इसे भ्रष्टाचार ही कहा जा सकता है। हमारे पास ट्रक भर या गाड़ी भर सबूत नहीं, लेकिन बैग भर सबूत जरूर हैं। फडणवीस को बस इतना कहना है कि ये १२ हजार पन्नों के सबूत हैं। हमारे पास मौजूद पेनड्राइव भी आपको दे रहे हैं। क्या आप इन सबूतों को देखेंगे?

उन्होंने सवाल उठाया कि सुप्रीम कोर्ट में मामला चल रहा होने के बावजूद बिवलकर को जमीन कैसे दी गई? क्या यह कोर्ट के आदेश का उल्लंघन नहीं है? ५ हजार करोड़ रुपये की जो जमीन दी गई, उसे बिवलकर ने बिल्डरों को बेच दिया। अब यह जमीन मुश्किल में पड़ने वाली है। उन लोगों का आगे क्या होगा? क्या आप यह जमीन वापस लेंगे?

पवार ने मांग की कि इस पूरे मामले की जांच होने तक ६१ हजार वर्ग मीटर के भूखंड को तत्काल रोका जाए। ८ हजार वर्ग मीटर का भूखंड एक निजी व्यक्ति को दिया गया है, उसे भी वापस लिया जाए।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com